DAINIK BHASKAR, Delhi, 10.8.2017
Page No. 5, Size:(16.68)cms X (11.54)cms.

बेंगलुरू के मेंटली रिटार्डिड होम में रह रहा था, आधार बनवाते समय मिली पहचान

जयपुर से लापता बच्चा, आधार ने ढाई साल बाद बेंगलुरू में मां से मिलवा दिया

राजेंद्र गौतम | जयपुर

आधार को अनिवार्य करने का मामला भले ही सुप्रीम कोर्ट में फंसा है, लेकिन इसी आधार ने जयपुर से ढाई साल पहले लापता हुए एक बच्चे को मां मेहरूनिसा से मिलवा दिया।

15 वर्षीय सोनू जनवरी 2015 में अजमेर रोड धावास से लापता होने के बाद बेंगलुरू के मेंटली रिटार्डिड होम तक पहुंच गया। वहां उसका आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो पता चला कि यह तो पहले से बना है। एड्रेस जयपुर का था। दो अगस्त को मेहरूनिसा के पास मेंटली रिटायर्ड होम से फोन आया। सुपरिटेंडेंट ने परिचित के मोबाइल पर फोटो भेजी तो वह चौंक गई। फोटो सोनू की थी। मामला डीसीपी अशोक गुप्ता तक पहुंचा तो उन्होंने करणी विहार पुलिस के साथ मेहरूनिसा को बेंगलुरू भेज दिया। वे शुक्रवार रात तक जयपुर पहुंचेंगे। सोनू के पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। उसके एक बड़ा भाई है। करणी विहार थाने के सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि मेंटली रिटायर्ड होम में जयपुर का एक और विमंदित बालक है। वह खुद का नाम कभी विजय तो कभी अजय बताता है। पहचान के लिए उसकी फोटो ली है।

बेंगलुरू में आधार बनवाने का प्रयास, तीन बार रिजेक्ट, फिर पता चला जयपुर में बना हुआ है

सोनू के आधार के जरिये मिलने की कहानी बड़ी रोचक है। होम की सुपरिटेंडेंट नागरत्ना ने बताया कि जुलाई माह में होम में रहने वाले बच्चों का आधार कार्ड बनवाया जा रहा था। लगभग सभी बच्चों का आधार बन गया, लेकिन सोनू का रिजेक्ट हो गया। इसके बाद तीन बार उसका आधार बनवाने के प्रयास किए गए, लेकिन तीनों ही बार रिजेक्ट हो गया। आखिर इसकी जांच की तो पता चला कि सोनू का आधार तो तीन साल पहले ही बन चुका है, इसलिए अब नया आधार नहीं बन रहा। इस आधार कार्ड की तहकीकात कराई तो जयपुर का एड्रेस निकला। इसके बाद उसकी मां मेहरूनिसा को जानकारी दी गई।

मां व भाई के साथ सोनू (दाएं)।